यूटीयू में प्रवेश के लिए प्रोविजनल पंजीकरण प्रारंभ

- कुलपति की अध्यक्षता में सभी संबद्ध एवं परिसर निदेशक ने किया प्रतिभाग
- योग्यताधारी अभ्यर्थी यूटीयू के पोर्टल पर अपनी च्वाइस भर सकते हैं

शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया

बैठक में आगामी शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए कैलेंडर जारी किया गया, जिसमें 5 अगस्त 2025 से आगामी सेमेस्टर की कक्षाएं संचालित किए जाने का भी निर्णय लिया गया। जिसके लिए सभी संस्थाओं से इस संबंध में मंतव्य मांगा गया है।

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध समस्त कालेज में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए मंगलवार से प्रोविजनल पंजीकरण प्रारंभ कर दिए गए हैं। विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कोई भी योग्यताधारी अभ्यर्थी यूटीयू के पोर्टल https://uktech.ac.in पर अपनी च्वाइस भर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए पहले प्रोविजनल पंजीकरण के लिए प्रोविजनल पोर्टल प्रारंभ कर दिया है, जिस पर सभी छात्र अपने कालेज एवं ब्रांच च्वाइस भर कर सकते हैं।

यूटीयू से 14 संगठक और राजकीय इंजीनियरिंग कालेज जुड़े हैं। साथ ही 65 निजी इंजीनियरिंग कालेज संबद्ध हैं जिनमें 16 पाठ्यक्रमों की 14,387 सीटें हैं। प्रोविजनल पंजीकरण प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया से अवगत कराने और च्वाइस भरने संबंधी पाठ्यक्रम की जानकारी आदि भरने के लिए प्रारंभ किया गया है। इस प्रोविजनल पंजीकरण के आधार पर प्रवेश अंतिम नहीं होगा। इसके लिए प्रोविजनल पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश लेने के लिए यूटीयू की होने वाली आगामी आनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेना होगा। मंगलवार को यूटीयू परिसर में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह की अध्यक्षता में सभी संबद्ध एवं परिसर संस्थानों के निदेशकों साथ बैठक हुई। कुलपति ने बताया कि यूटीयू की आनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) एवं फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया जैसी नियामक संस्थाओं की ओर से जारी होने वाले प्रवेश प्रक्रिया शेड्यूल के उपरांत विश्वविद्यालय अपना आनलाइन काउंसलिंग शेड्यूल जारी करेगा। कुलपति ने सलाह दी कि प्रोविजनल पंजीकरण करने वाले छात्र ज्यादा से ज्यादा च्वाइस लाक करें। जिससे सीट आवंटन की संभावना ज्यादा बने। विकल्प भरते समय ध्यान रखें कि विकल्पों को संस्थान और ब्रांच जिसमें वह प्रवेश लेने के इच्छुक हैं भरें। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. सत्येंद्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. विनय कुमार पटेल, परिसर एवं संबद्ध संस्थाओं के निदेशकों ने आनलाइन और माध्यम से प्रतिभाग किया।